

୪୩ । ଏହୁରେତ୍ୟବିଷୟାର୍ଥା ॥

309

四
卷之二

୩୨୩ ବାହୁମାନାର୍ଥୀ ପଦ୍ମନାଭ

藏文

卷之三

七

七

七

七

七

七

七

藏文

卷之三

七

七

七

七

七

七

七

藏文

卷之三

七

七

七

七

七

七

七

藏文

卷之三

七

七

七

七

七

七

七

藏文

卷之三

七

七

七

七

七

七

七

藏文

卷之三

七

七

七

七

七

七

七

藏文

卷之三

七

七

七

七

七

七

七

藏文

卷之三

七

七

七

七

七

七

七

藏文

卷之三

七

七

七

七

七

七

七

藏文

卷之三

七

七

七

七

七

七

七

ਮुख्यात्मका विवरण द्वारा अवलोकित किए गए विवरणों की समीक्षा के अनुसार इन विवरणों में निम्नलिखित विवरणों की विशेषताएँ दर्शाई गई हैं।

1. विवरणों की संख्या: इन विवरणों में लगभग 100 से ज्यादा विवरणों की संख्या दर्शाई गई है।

2. विवरणों की विवरणों की संख्या: इन विवरणों में लगभग 100 से ज्यादा विवरणों की संख्या दर्शाई गई है।

3. विवरणों की विवरणों की संख्या: इन विवरणों में लगभग 100 से ज्यादा विवरणों की संख्या दर्शाई गई है।

4. विवरणों की विवरणों की संख्या: इन विवरणों में लगभग 100 से ज्यादा विवरणों की संख्या दर्शाई गई है।

5. विवरणों की विवरणों की संख्या: इन विवरणों में लगभग 100 से ज्यादा विवरणों की संख्या दर्शाई गई है।

6. विवरणों की विवरणों की संख्या: इन विवरणों में लगभग 100 से ज्यादा विवरणों की संख्या दर्शाई गई है।

7. विवरणों की विवरणों की संख्या: इन विवरणों में लगभग 100 से ज्यादा विवरणों की संख्या दर्शाई गई है।

8. विवरणों की विवरणों की संख्या: इन विवरणों में लगभग 100 से ज्यादा विवरणों की संख्या दर्शाई गई है।

9. विवरणों की विवरणों की संख्या: इन विवरणों में लगभग 100 से ज्यादा विवरणों की संख्या दर्शाई गई है।

10. विवरणों की विवरणों की संख्या: इन विवरणों में लगभग 100 से ज्यादा विवरणों की संख्या दर्शाई गई है।

॥**শৰ্মিষ্ঠায়ির্দেশ** শৰ্মিষ্ঠায়ির্দেশ

বৰ্ণনা কৰিব পৰিবৰ্ণনা

୩୩୮

ସାହୁ

ସାହୁ

ସାହୁ

ସାହୁ

ସାହୁ

ଶ୍ରୀକୃଷ୍ଣପାଦପତ୍ରିରେକାଳୀ

西藏文書
卷之三

藏文書
卷之三

卷之三

१८५

୩୭
ଶବ୍ଦମୁଦ୍ରା
ଧର୍ମମହାତ୍ମା
ଦୟାଦୟା
ଦୟାଦୟା

藏文

୧୯
ଏକଃସରହେଣା ।
ଦ୍ୱାରା କୁପାତୁଳ୍ୟଃ
ଏହିକୁତୁଷ୍ଟଲଶବ୍ଦା । ୧୮
ଏହିଦ୍ୱାରା ନିଶ୍ଚାରାହିଲା
ନିଶ୍ଚାରାହିଲା କୁପାତ୍ମକା

ବ୍ୟକ୍ତିରୁପାଶ୍ରମିଦ୍ୟନ୍ତରୁଦ୍ଧରେ
ଦେହରୁଦ୍ଧରେନ୍ଦ୍ରିୟରୁଦ୍ଧରେ
ମେଳରୁଦ୍ଧରେଗାପଣୀରୁଦ୍ଧରେ
ଦେହରୁଦ୍ଧରେନ୍ଦ୍ରିୟରୁଦ୍ଧରେ

। རྒྱତ୍ତ ད୍ୱାରା གୁଣ ཉପରି ପାଇଲା
କାହାର ମଧ୍ୟ ଏହାକୁ ପାଇଲା
ଯାହାର ମଧ୍ୟ ଏହାକୁ ପାଇଲା
ଯାହାର ମଧ୍ୟ ଏହାକୁ ପାଇଲା

१८८५ वर्षीय कल्पना विवरण विवरण
प्राचीन ग्रन्थों के अनुसार लिखा गया है।

। वर्षेषु रथे ॥
मिष्ठानं वापनाय दी ॥१॥
। एत्युष्टं गद्य विश्वा-
ः अद्वैतं स्वरूपं रूपं
रैव केषम् दद्य शिष्यैरुपाम्
रसिद्य इ ॥२॥

ସୁରକ୍ଷାକ୍ଷର୍ଯ୍ୟ ପରିକ୍ଲିଣ ଦେଶବାସ
ଦେଶବାସନ୍ତି ଯକ୍ଷମନୀ ଯବା
ଯବା ଦାୟାକହରେ ଦେଖିନ୍ତି । କୁଳ
ଦେଖିନ୍ତି ଆଦ୍ୟ ସନ୍ଦର୍ଭରେ
ଦେଖିନ୍ତି ବ୍ୟକ୍ତିଶାଖା ଦେଖିନ୍ତି
ଦେଖିନ୍ତି ଧର୍ମଶାଖା ଦେଖିନ୍ତି

ସୁରଣାଶ୍ରୀ
କେଶଦ୍ଵା
ପଦୋତ୍ତମ
ଅକ୍ଷ୍ୟରୀ
ମହା
ବିଜ୍ଞାନ

藏文大藏经

藏文大藏经

藏文大藏经

藏文大藏经

藏文大藏经

藏文大藏经

ପଦଶ୍ଳା
ପଦଶ୍ଳା
ବା
ଦଶ
ଯ
କ
ମା

م